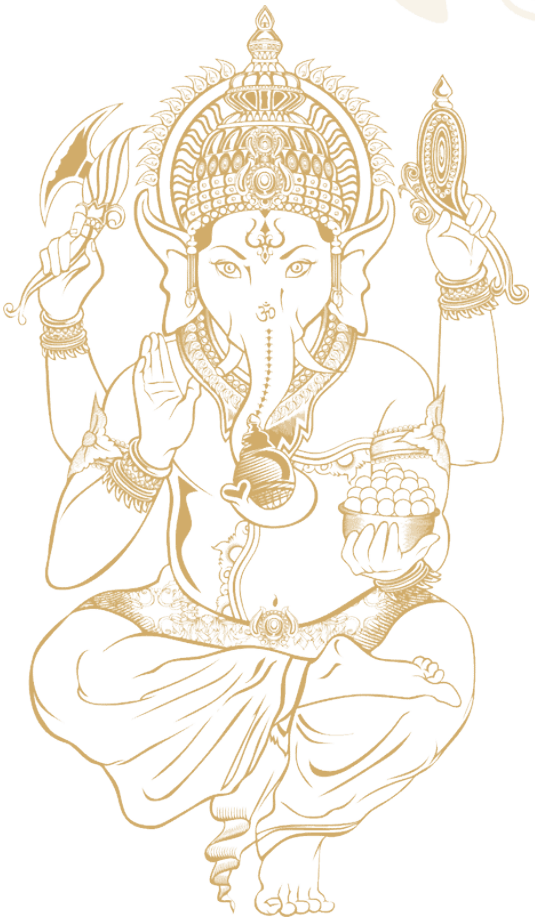

15 Feb 2026

01:03 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121283112

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:03:00 घंटे**
इष्ट	15:07:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:41:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	22:23:10 घंटे
सूर्योदय	06:59:52 घंटे
सूर्यास्त	18:11:02 घंटे
दिनमान	11:11:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:23:49 कुम्भ
लग्न के अंश	25:53:41 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:53:41	348:31:43	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	02:23:49	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	06:26:46	12:35:40	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	23:44:26	00:47:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	उच्च राशि
बुध			कुंभ	19:29:46	01:26:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:46:54	00:04:33	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	11:53:36	01:15:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:55:14	00:06:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:31	00:01:36	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:31	00:01:36	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:29	00:00:36	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:20:56	00:01:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:55:02	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	09:40:19	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

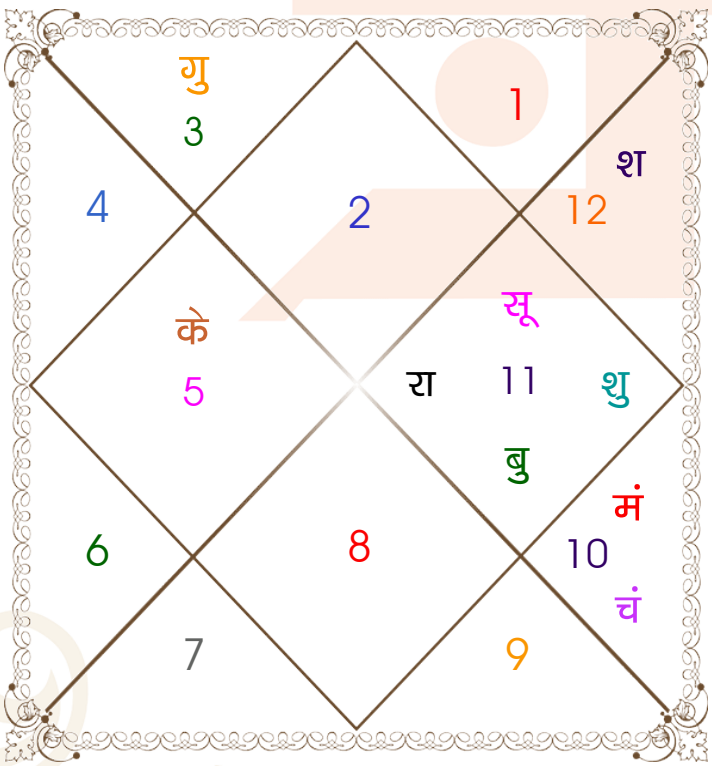

चन्द्र कुंडली

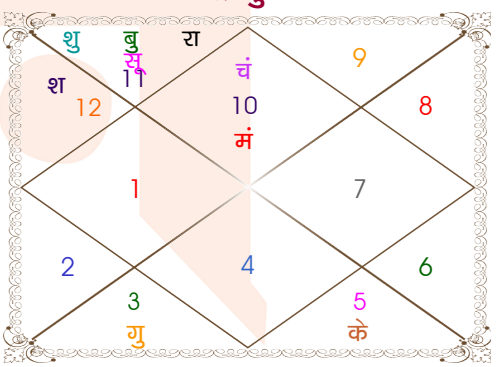

नवमांश कुंडली

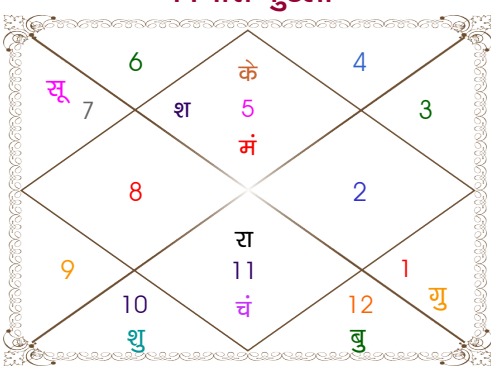

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 7 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/02/2026		22/09/2027		22/09/2037		21/09/2044		22/09/2062	
22/09/2027		22/09/2037		21/09/2044		22/09/2062		22/09/2078	
	00/00/0000	चंद्र	23/07/2028	मंगल	18/02/2038	राहु	05/06/2047	गुरु	09/11/2064
	00/00/0000	मंगल	21/02/2029	राहु	08/03/2039	गुरु	28/10/2049	शनि	23/05/2067
	00/00/0000	राहु	22/08/2030	गुरु	12/02/2040	शनि	03/09/2052	बुध	28/08/2069
	00/00/0000	गुरु	22/12/2031	शनि	23/03/2041	बुध	24/03/2055	केतु	04/08/2070
	00/00/0000	शनि	23/07/2033	बुध	20/03/2042	केतु	10/04/2056	शुक्र	04/04/2073
	15/02/2026	बुध	22/12/2034	केतु	16/08/2042	शुक्र	11/04/2059	सूर्य	21/01/2074
बुध	17/05/2026	केतु	23/07/2035	शुक्र	17/10/2043	सूर्य	05/03/2060	चंद्र	23/05/2075
केतु	22/09/2026	शुक्र	23/03/2037	सूर्य	21/02/2044	चंद्र	03/09/2061	मंगल	28/04/2076
शुक्र	22/09/2027	सूर्य	22/09/2037	चंद्र	21/09/2044	मंगल	22/09/2062	राहु	22/09/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/09/2078		22/09/2097		23/09/2114		23/09/2121		23/09/2141	
22/09/2097		23/09/2114		23/09/2121		23/09/2141		00/00/0000	
शनि	25/09/2081	बुध	18/02/2100	केतु	19/02/2115	शुक्र	22/01/2125	सूर्य	10/01/2142
बुध	04/06/2084	केतु	16/02/2101	शुक्र	20/04/2116	सूर्य	22/01/2126	चंद्र	12/07/2142
केतु	14/07/2085	शुक्र	17/12/2103	सूर्य	26/08/2116	चंद्र	23/09/2127	मंगल	17/11/2142
शुक्र	12/09/2088	सूर्य	23/10/2104	चंद्र	27/03/2117	मंगल	22/11/2128	राहु	11/10/2143
सूर्य	25/08/2089	चंद्र	24/03/2106	मंगल	23/08/2117	राहु	23/11/2131	गुरु	30/07/2144
चंद्र	27/03/2091	मंगल	22/03/2107	राहु	11/09/2118	गुरु	24/07/2134	शनि	12/07/2145
मंगल	04/05/2092	राहु	08/10/2109	गुरु	18/08/2119	शनि	23/09/2137	बुध	16/02/2146
राहु	11/03/2095	गुरु	14/01/2112	शनि	25/09/2120	बुध	24/07/2140		00/00/0000
गुरु	22/09/2097	शनि	23/09/2114	बुध	23/09/2121	केतु	23/09/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।